>

Title: Regarding delay in the issue of Notification pertaining to Wage Board recommendations for Journalists and Non Journalist employees of newspapers and news agencies.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर अपनी बात कहने का मौका दिया है। देश के पत्रकारों और गैर पत्रकारों के वेतन के पुनर्निर्धारण के लिए जस्टिस मजीथिया की अध्यक्षता में वर्ष 2007 में वेज बोर्ड बना था जिसने अपनी रिपोर्ट सरकार को वर्ष 2010 को सौंप दी है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि लगभग तीन महीने उस रिपोर्ट को सौंपे हुए हो गए हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। प्रिंट मीडिया, पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ समझे जाते हैं। देश में बहुत महंगाई है, इसलिए मैं यह भी उल्लेख करना चाहता हूं कि पिछले 10 सालों से पत्रकार वर्ग के वेतन के निर्धारण में कोई इजाफा नहीं हुआ है। इस बीच ाो सारे वर्गों वे अधिकारियों का वेतन पुनः निर्धारित हुआ, वेतन बढ़े लेकिन पत्रकार वर्ग का वेतन नहीं बढ़ सका। वेज बोर्ड ने सरकार को रिपोर्ट दे दी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से कहना है कि सरकार उस रिपोर्ट को लागू करे और लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ समझा जाने वाले पत्रकार वर्ग की तरफ देखे, उनकी दुर्दशा को समझे। वे घोर महंगाई में अपने जीवनस्तर में किसी तरह कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, उनका वेतन बढ़ना चाहिए ताकि वे अपना काम ठीकठाक कर सकें।

सभापति महोदय : उन्होंने प्रदर्शन भी किया है।

डॉ. किरीट पी. सोलंकी।